मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 61, मुंबई, शुक्रवार, 1 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

गुढी पाडवा के शुभ अवसर पर
SPECIAL OFFER 1st & 2nd April 2022
Per Kg.
मलाई पेड़ा - ₹ 700/- 580/-
काजू कतरी - ₹ 980/- 840/-
श्रीखंड - ₹ 480/- 380/-
बूंदी (शुद्ध घी) - ₹ 440/- 320/-
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
T&C apply
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

न मास्क की मजबूरी, न कोरोना की पाबंदी

2 अप्रैल से राज्य में सभी प्रतिबंध हुए खत्म

मॉल, जिम, होटल और सिनेमाघर अब 100% कैपेसिटी में संचालित होंगे

मुंबई। तकरीबन दो साल बाद महाराष्ट्र में सभी तरह की कोरोना पाबंदियों को 2 अप्रैल यानी गुड़ी पड़वा से खत्म किया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब महाराष्ट्र में क्या बदलेगा?

- 2 अप्रैल से महाराष्ट्र में सभी कोरोना प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।
- गुड़ी पड़वा की शोभायात्रा, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती और रमजान को उत्साह से मना सकेंगे लोग।
- मास्क और सामाजिक दूरी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है।
- होटल, पार्क, जिम, सिनेमा, शैक्षणिक संस्थान, अंत्येष्टि में उपस्थिति की कोई सीमा नहीं होगी।
- सार्वजनिक स्थानों, मॉल, बगीचों में मास्क पहनने या टीकाकरण प्रमाण पत्र दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी।
- महाराष्ट्र में सभी धार्मिक स्थलों पर लगे प्रतिबंधों को हटा दिया गया है।

बस, लोकल और ट्रेन से यात्रा करते समय वैक्सीन सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं होगी

रेप का आरोपी महंत सीताराम गिरफ्तार

भेष बदलकर भागने की तैयारी कर रहा था महंत

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा सर्किट हाउस में नाबालिग के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर आक्रोश दिखाया। उनके आदेश के 24 घंटे के भीतर आरोपी महंत सीताराम दास के मकान को ढहा दिया गया। गुरुवार को कलेक्टर मनोज पुष्प और एसएसपी नवनीत भसीन बुलडोजर लेकर पहुंचे। जहां बाबा के मकान को ढहा दिया गया है। प्रशासन कार्रवाई के दौरान 500 मीटर में जमर लगाया था ताकि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं लग सके।

मुंबई हलचल / संवाददाता

रीवा। सर्किट हाउस में रेप की घटना को अंजाम देने वाला महंत सीताराम दास उर्फ समर्थ त्रिपाठी को पुलिस ने सिंगरौली से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि महंत सीताराम दास वेश बदलकर अंडरग्राउंड होने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही दबोच लिया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मीरा रोड में नाबालिगों को देह व्यापार में धकेलने वाली महिला चढ़ी पुलिस के हत्थे

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस से जुड़ी मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) ने मीरा रोड में एक किशोरी को देह व्यापार गतिविधियों में कथित रूप से मजबूर करने के आरोप में 48 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार कर एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कामोठे में देशी पिस्टल के साथ नाबालिग समेत तीन आरेस्ट

आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 3, आईपीसी की 34 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 और 37 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया

मुंबई हलचल / संवाददाता

नवी मुंबई। कामोठे पुलिस ने पिछले सप्ताह जवाहर औद्योगिक क्षेत्र में एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बेचने आए एक नाबालिग के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि आरोपी किसको हथियार बेचने वाले थे। सूचना के आधार पर कामोठे पुलिस की विशेष टीम ने 25 मार्च की शाम जवाहर औद्योगिक क्षेत्र के पास जाल बिछाया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

पूर्वोत्तर में नई उम्मीद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता के कारण असम और मेघालय के बीच करीब पांच दशक पुराने सीमा विवाद को खत्म करने को लेकर बनी सहमति एक बड़ी कामयाबी है। यकीनन, इससे भारतीय संघ-राज्य की परिकल्पना और मजबूत हुई है। संघीय ढांचे में दो राज्यों या दो प्रशासनिक इकाइयों के बीच भौगोलिक सीमाओं या संसाधनों के बंटवारे को लेकर मतभेद एक सामान्य बात है। ऐसे किसी विवाद में आदर्श स्थिति तो यही है कि संबंधित सूबों के मुख्यमंत्री या प्रशासक भारतीय संविधान की भावना का आदर करते हुए आपसी समझ-बूझ से इसे दूर कर लें, क्योंकि सभी प्रदेशों में बसने वाले लोग अंततः अखंड भारत के ही नागरिक हैं और किसी के हितों की अनदेखी उचित नहीं है। पर अमूमन ऐसा होता नहीं है, मुद्दे उलझते जाते हैं और फिर वे केंद्र के पास या अदालत की शरण में पहुंच जाते हैं। कई बार तो ये हिंसक मोड़ भी ले लेते हैं, जैसा कि असम और मेघालय के मामले में पिछली जुलाई में हुआ था। तब दोनों सूबों के सुरक्षाबलों की झड़प में असम पुलिस के कई जवानों की जान चली गई थी और केंद्र को हस्तक्षेप करना पड़ा था। सन 1972 में असम से ही काटकर मेघालय का गठन हुआ था और तभी से करीब 500 वर्गमील इलाके पर अधिकार को लेकर दोनों राज्यों में अनबन रही है। ऐसे में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद अब दोनों पड़ोसी राज्यों ने विवाद के 12 में से छह बड़े बिंदुओं पर समझौता कर लिया है। उम्मीद है, बकाया मुद्दे भी जल्द सुलझा लिए जाएंगे। वैसे भी, दोनों प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरू से खास तौर पर पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास की पैरोकारी करते रहे हैं। उनकी सरकार बखूबी जानती है कि जब तक इन प्रदेशों में स्थायी शांति नहीं होगी, तब तक उनका विकास अवरुद्ध रहेगा। इसीलिए पूर्वोत्तर के प्रदेशों में कई स्तरों पर शांति-वार्ताएं की जाती रही हैं, और इनके नतीजे भी मिले हैं। खुद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है, पिछले तीन वर्षों के दौरान इन प्रदेशों में 6,900 सशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म-समर्पण किया है। यह दुखद है कि देश के दो सबसे खूबसूरत भौगोलिक इलाके, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर ज्यादातर अशांति की चपेट में रहे और न तो विदेशी-घरेलू पर्यटकों की मेजबानी के जरिये ये अपना आर्थिक हित साध सके, और न ही देश की औद्योगिक तरक्की का लाभ उठा सके। इन प्रदेशों में न रेलवे का विस्तार हुआ और न ही सड़कों का पर्याप्त विकास हो सका। निस्संदेह, इन प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व की यह सामूहिक विफलता है, क्योंकि उन्होंने अपने सियासी नफे-नुकसान के कारण क्षेत्रीय आकांक्षाओं की लगातार अनदेखी की। ऐसे में, असम और मेघालय के बीच हुआ ताजा समझौता नई आशा जगाता है कि पूर्वोत्तर में अमन बहाली के काम को अब और गति मिल सकेगी। चूंकि असम के मुख्यमंत्री पिछले कई वर्षों से पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी के बड़े रणनीतिकारों में शामिल रहे हैं, ऐसे में स्थानीय हितधारकों से उनका संपर्क-संवाद स्वाभाविक है। केंद्र सरकार इसका लाभ उठाते हुए यदि वहां व्यापक क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकी, तो पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे भारत को इसका फायदा होगा। देश के कई पड़ोसी प्रदेशों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की सरकारें हैं, जिनके बीच दशकों से तरह-तरह के विवाद हैं। उनके लिए भी यह समझौता एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है।

उदात्त मूल्य कट्टर नहीं होते

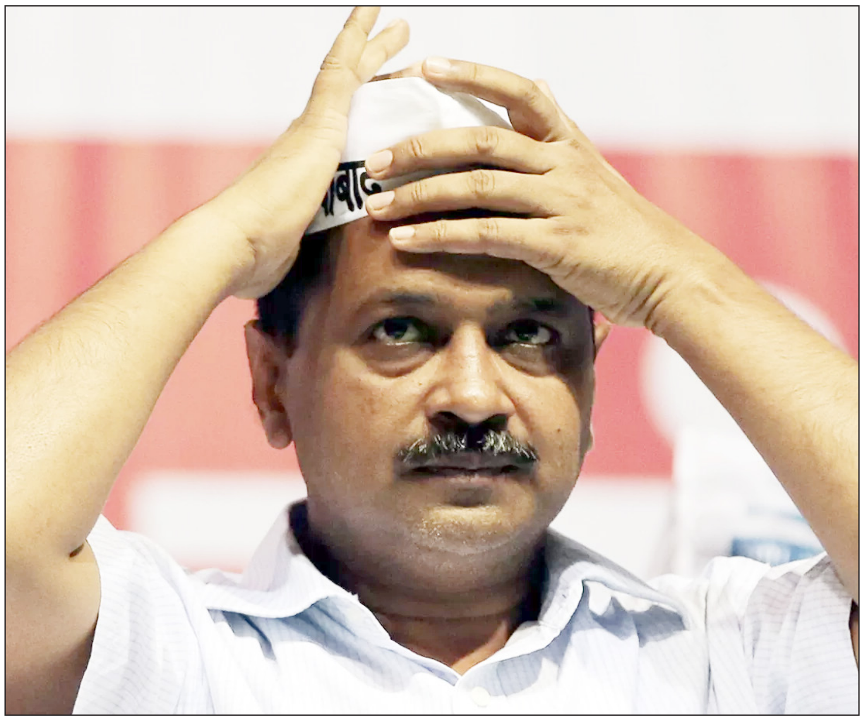

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 29 मार्च को एक ट्विट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'आम आदमी पार्टी की विचारधारा के तीन स्तंभ हैं- एक, कट्टर देशप्रेम। दो, कट्टर ईमानदारी और तीन, इंसानियत'। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'दिल दिया है, जां भी देंगे ए वतन तेरे लिए'। अरविंद केजरीवाल की जगह यह ट्विट किसी और ने किया होता तो उस पर विचार की जरूरत नहीं होती। लेकिन चूंकि खुद केजरीवाल ने यह ट्विट किया है और 'देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत' को अपनी पार्टी की विचारधारा बताया है इसलिए जरूरी है कि इस पर गंभीरता और बारीकी से विचार किया जाए। इस ट्विट के जरिए उन्होंने उन लोगों को भी जवाब देने का प्रयास किया है, जो उनकी पार्टी को विचारधारा से परे या 'उत्तर विचारधारा' की पार्टी मानते रहे हैं।

इस पर विचार की शुरूआत में सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि 'देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत' कोई विचारधारा नहीं हैं। ये मानवीय मूल्य हैं, जो सहज रूप से हर व्यक्ति में होना चाहिए और होता भी है। विचारधारा और मानवीय मूल्यों में जमीन आसमान का फर्क होता है। विचारधारा ऐसी चीज नहीं होती है, जो हर व्यक्ति में एक जैसी हो या हर व्यक्ति एक विचारधारा से निर्देशित हो। परंतु मानवीय मूल्य ऐसी चीज है, जो हर व्यक्ति में समान रूप से हो सकती है। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि मानवीय मूल्य ही किसी को इंसान बनाते हैं। जिस तरह से दया, प्रेम, अहिंसा आदि उदात्त मानवीय मूल्य हैं उसी तरह से देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत भी उदात्त मानवीय मूल्यों की श्रेणी में आते हैं और इनके होने से ही इंसान की पहचान होती है। हर इंसान में ये मूल्य होने चाहिए चाहे वह किसी भी विचारधारा को मानने वाला है। तभी कोई यह नहीं कह सकता है कि समाजवादी या साम्यवादी विचार को मानने वाला व्यक्ति ईमानदारी, देशप्रेम या इंसानियत के मूल्यों से भरा नहीं होता है। या पूंजीवादी, उदार या मिश्रित समाजवाद की विचारधारा को मानने वाला व्यक्ति ईमानदार, देशप्रेमी या इंसानियत वाला नहीं हो सकता है। आप चाहे किसी भी विचारधारा को मानते हों, आप ईमानदार, देशप्रेमी और इंसानियत से भरे हो सकते हैं। पार्टियां या नेता चाहे जिस भी विचारधारा को मानने वाले हों उनसे उम्मीद की जाती है कि उनके अंदर देशप्रेम होगा, वे ईमानदार होंगे और उनमें इंसानियत का भाव होगा। लेकिन इसी को उलट कर कहें तो वह बेसिर-पैर की बात हो जाएगी। यह नहीं कहा जा सकता है कि देशप्रेम, ईमानदारी और इंसानियत में भरोसा करने वाला व्यक्ति किसी खास पार्टी या किसी खास विचारधारा का ही व्यक्ति होगा। इस बुनियादी फर्क को पता नहीं केजरीवाल ने क्यों नहीं समझा? यह भी हो सकता है कि उन्होंने समझते हुए यह बात कही हो क्योंकि नेता आमतौर पर जनता को मूर्ख समझते हैं या लगभग हर समय मूर्ख बनाने की कोशिश करते रहते हैं। केजरीवाल का बयान इसी प्रयास का हिस्सा है। बरसों तक प्रचार और हजारों करोड़ रुपए के विज्ञापन के जरिए नरेंद्र मोदी ने अपने को सबसे बड़ा देशभक्त और ईमानदार नेता स्थापित किया है।

केजरीवाल उस गढ़ी हुई छवि से मुकाबले के लिए अपने को उसी खांचे में फिट करके प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी तरह उन्होंने अपने ट्विट में 'दिल दिया है, जां भी देंगे ए वतन तेरे लिए' लिखा है, वह भी कोई विचारधारा नहीं है, बल्कि एक जज्बा है, जो हर इंसान के दिल में अपने अपने वतन के लिए होता है। हो सकता है कि वतन की बात पर किसी का दिल जरा ज्यादा जोर से धड़कता हो पर यह तय है कि वह दिल किसी नेता का नहीं होगा। केजरीवाल की टिप्पणी में दूसरा अहम सुधार यह जरूरी है कि कोई भी उदात्त मानवीय मूल्य कट्टर नहीं हो सकता है। कट्टरता खत्म होती है तभी तो कोई मानवीय मूल्य उदात्त होता है। क्या प्रेम कभी कट्टर हो सकता है? कट्टर होते ही प्रेम खत्म हो जाएगा। आसक्ति जरूर कट्टर हो सकती है लेकिन प्रेम नहीं। अगर किसी को आसक्ति और प्रेम में फर्क नहीं पता हो तो अलग बात है। ऐसा व्यक्ति 'डर' फिल्म के शाहरूख खान की बेलगाम आसक्ति को भी प्रेम मान सकता है। प्रेम जहां किसी को उदार और दयालु बनाता है वहीं आसक्ति उसे क्रूर और हिंसक बना सकती है। यानी प्रेम जैसे ही कट्टर होगा वह क्रूर और हिंसक हो जाएगा। वैसे ही देशप्रेम जैसे ही कट्टर होगा वैसे ही वह क्रूर, हिंसक और अमानवीय हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता तो गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने यह नहीं लिखा होता कि 'मैं जब तक जिंदा हूं तब तक देशप्रेम को मानवता के ऊपर स्थापित नहीं होने दूंगा'। उनके लिए मानवता देशप्रेम से बड़ी चीज थी। यहां तो केजरीवाल देशप्रेम की नहीं, बल्कि कट्टर देशप्रेम की बात कर रहे हैं। कट्टर देशप्रेम सबसे पहले मानवता की हत्या करता है। देशप्रेम एक मानवीय मूल्य है, जो किसी देश के नागरिक के अपने देश के प्रति गर्व और लगाव का प्रतीक है लेकिन कट्टर देशप्रेम राजनीतिक और एक हद तक फासीवादी धारणा है, जो किसी व्यक्ति को हिटलर या मुसोलिनी बना सकती है।

इसी तरह ईमानदारी भी कट्टर नहीं होती है, बल्कि सहज होती है। ईमानदारी सहज मानवीय गुण है। अफसोस की बात है कि आजकल ईमानदारी एक दुर्लभ चीज हो गई है इसलिए जब यह खबर आती है कि 'ईमानदार ऑटो वाले ने पर्स लौटाया' तो हैरानी होती है, रोमांच होता है और खुशी होती है। कायदे से यह कोई अच्छी खबर नहीं है, बल्कि समाज और इंसान के निरंतर बेईमान होते जाने को प्रतीकित करने वाली प्रतिनिधि घटना है। यहीं कारण है कि पार्टियों और नेताओं को विज्ञापन देकर या ट्विट करके बताना पड़ता है कि वे ईमानदार हैं और उसमें भी कट्टर ईमानदार हैं। अव्वल तो ईमानदारी कट्टर नहीं होती है। अगर मान भी लें कि केजरीवाल ने अपने को संपूर्ण रूप से ईमानदार बताने के लिए इस विशेषण का इस्तेमाल किया तब भी यह गलत है।

क्योंकि मिथक कथाओं के सत्य हरिश्चंद्र के अलावा संपूर्ण ईमानदारी का कोई प्रतीक भारत में नहीं है। अगर लिखना शुरू करें तो कई पन्ने भर जाएंगे, उन झूठों से जो आम आदमी पार्टी के नेताओं ने बोले हैं। हां, यह हो सकता है कि किसी और की तुलना में उसके नेता ईमानदार हों, लेकिन वह भी सब्जेक्टिव और बहस का विषय है। अंत में, अच्छा हुआ जो केजरीवाल ने इंसानियत को कट्टर नहीं बताया। उन्होंने अपने ट्विट में अपनी पार्टी की विचारधारा के तीसरे स्तंभ के रूप में इंसानियत को रखा। अगर वे इंसानियत को भी कट्टर बता देते तो इंसानियत पर से भरोसा उठ जाता। सो, ऐसा मान सकते हैं कि उनके थोड़ी इंसानियत बची हुई है इसलिए उन्होंने इस सहज मानवीय गुण को कट्टर नहीं कहा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

रेती बंदर खाड़ी से अवैध तरीके से रेती खनन करने वाले रेती माफिया पर गिरी गाज

ठाणे जिला अधिकारी विभाग द्वारा की गई धमाकेदार कार्रवाई में जब्त कर नष्ट किया गया की 4 करोड़ 60 लाख का माल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। ठाणे के जिला अधिकारी राजेश नरवेकर अपर जिलाधिकारी रानडे उपविभाग के अविनाश शिंदे के मार्गदर्शन में थाने के तहसीलदार युवराज भांगर नायब तहसीलदार दिनेश पेडणेकर नायब तहसीलदार सुखदेव पवार और सभी लेखपाल अधिकारी द्वारा शामिल होकर धमाकेदार रेती माफियाओं पर कानूनी कार्रवाई करते हुए नजर आए उनकी इस कार्यवाही से कयास लगाया जा रहा है यह रेती माफियाओं पर कानूनी शिकंजा कसने पर उतारू हो गए हैं उनके द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई में 5 बोट 6 बाज जब्त कर आग लगा कर पानी में दबा दिया गया और जप्त किए 8 सक्शन पंप को पानी में जल समाधि दे दी गई और तीन बड़े 25 ब्रास के बाज को मुंब्रा रेती बंदर गणेश घाट पर लाकर कटिंग कर दिया गया दरअसल आपको बता दें थाने जिला अधिकारी के कार्यालय पर पर्यावरण प्रेमी और समाज सेवक द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों को मद्देनजर रखते हुए यह धमाकेदार कार्रवाई की गई यह रेती माफिया धड़ल्ले से मुंब्रा रेती बंदर चूहा पुल खोपर दिवा कल्याण भिवंडी खाड़ी में से रेत खनन करने का काम वर्षों से बड़े पैमाने पर करते चलते आ रहा है जिसके चलते मांग्रोस नष्ट होता नजर आ रहा था और समुंद्र में तूफान आने की संभावना बढ़ती जा रही है काफी शिकायतों के बाद जिला अधिकारी के कार्रवाई शुरू की गई और लगातार 2 दिनों से चल रही है कार्रवाई में पिछली बार भी रेती माफियाओं को पकड़ने के लिए जिला अधिकारी विभाग के अधिकारी को रेती माफिया द्वारा डोंबिवली खाड़ी तक अधिकारियों को दौड़ाया गया था खैर जैसे-तैसे अधिकारियों ने पड़ावों तो जब्त कर लिए लेकिन अधिकारियों के डर से रेती माफियाओं ने खाड़ी में छलांग लगा दी भागदौड़ के दरमियान रेती माफियाओं ने अधिकारी और कर्मचारियों पर बोतल फेंकना शुरू कर दिया था इस कार्रवाई में पड़ाव को और सक्शन पंप को जप्त कर लिया गया था रेती माफियाओं के द्वारा सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों के उनके काम के दौरान रेती माफियाओं द्वारा किए गए हमले को देखते हुए यह धमाकेदार कार्रवाई की गई जिसमें 5 बोट में आग लगा दी गई इन रेती माफियाओं के विरुद्ध में सरकारी काम में बाधा डालने का पर्यावरण और मांग्रोस नष्ट करने का मामला दर्ज किया जाएगा और सरकारी अधिकारी द्वारा यह बताया जा रहा है कि रेती माफियाओं के विरुद्ध में मकोका लगाया जाएगा अब देखना यह है थाना जिला अधिकारी विभाग और तहसीलदार विभाग द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई के बाद क्या रेती माफिया अपने अवैध रेत खनन करने का कारोबार पर प्रतिबंध लगाएंगे या कुछ दिनों बाद मामला ठंडा होने के बाद फिर से यह अवैध रेत खनन का कारोबार रेती माफियाओं द्वारा शुरू किया जाएगा यह देखने वाली बात होगी।

पालघर में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मार डाला, पुलिस ने किया चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। मुंबई के पालघर में हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने दावा कि एक महलिा ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। दरअसल मनोर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दहिसर-सफाले रोड स्थित डूंगीपाडा इलाके से 24 मार्च को पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया था। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। इस हत्याकांड की गुत्थी पालघर क्राइम ब्रांच ने सुलझा ली है। मामले में मृतक की पत्नी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही थी। मृतक की पहचान दिनेश पांचाल (42) खोपट, ठाणे निवासी के रूप में हुई थी। पालघर क्राइम ब्रांच को मृतक की पत्न ी से पूछताछ के दौरान उस पर शक हुआ, जिसके बाद कड़ी पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल किया। क्राइम ब्रांच के अनुसार मृतक की पत्नी का मुख्य आरोपी से अनैतिक संबंध थे, इसलिए उक्त वारदात को अंजाम दिया गया। पुलसि ने बताया कि 24 मार्च को दिनेश जब काम से घर लौटा तो उसकी पत्नी, पत्नी का प्रेमी और दो आरोपी उसे जबरन कार से गुजरात की ओर ले गए। रास्ते में आरोपियों ने दिनेश की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया।

मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्तों को भी महीने में दो बार रात्रि ड्यूटी करनी होगी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में संयुक्त पुलिस आयुक्तों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को हर 15 दिन में एक बार रात्रि ड्यूटी करनी होगी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में मुंबई पुलिस आयुक्त संजय पांडे ने एक परिपत्र जारी किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने परिपत्र के हवाले से बताया कि पुलिस आयुक्त ने कानून-व्यवस्था, अपराध, प्रशासन, यातायात और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की अगुवाई करने वाले सभी पांच संयुक्त पुलिस आयुक्तों और सभी अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों को रात्रि ड्यूटी करने का निर्देश दिया है। अधिकारी ने कहा कि पूर्व में ज्यादातर पुलिस उपायुक्त शहर में कानून-व्यवस्था की निगरानी के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रात की ड्यूटी करते थे। उन्होंने कहा कि नए निर्देश जल्द ही लागू होंगे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

न मास्क की मजबूरी, न कोरोना की पाबंदी

इस फैसले पर गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में मुहर लगा दी गई। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से राज्य के कई शहरों में एक भी कोरोना संक्रमित नहीं मिला है। जिसके बाद यह फैसला उद्धव सरकार ने लिया है। हालांकि, पहले ही काफी हद तक प्रतिबंध हटाए जा चुके थे। स्कूल, थिएटर्स, मॉल्स, रेस्टोरेंट्स, पार्क, ऑफिस खोल दिए गए थे। वहीं रोजमर्रा का कामकाज भी पटरी पर आना शुरू हो गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गुड़ी पड़वा के दिन जुलूस और रैली की भी अनुमति दी गई है। हालांकि, भविष्य में कोरोना के प्रकोप को रोकने के लिए नागरिकों को मास्क पहनने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और कोरोना के खिलाफ टीका लगवाने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य में मास्क अब अनिवार्य नहीं रहेगा, लेकिन लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए खुद ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस संबंध में तत्काल विस्तृत आदेश जारी करने का भी निर्देश दिया गया है। इन प्रतिबंध को खत्म करने का ऐलान करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 40-50 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग 22 लाख सरकारी कर्मचारियों को एक वर्ष में एक अनिवार्य हेल्थ चेकअप और 50-60 वर्ष की आयु के लिए दो चेकअप प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक कर्मचारी को इसके लिए 5000 रुपए तक राशि प्रदान की जाएगी। इससे सरकार पर हर साल लगभग 105 करोड़ रुपए खर्च आएगा।

रेप का आरोपी महंत सीताराम गिरफ्तार

सीताराम दास बाल और दाढ़ी कटवाने के लिए सिंगरौली में एक हेयर सैलून पर पहुंचा था, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। बता दें कि कथावाचक महंत सीताराम दास उर्फ समर्थ त्रिपाठी पर दुष्कर्म का आरोप है। बताया जा रहा है कि उसने रीवा के सर्किट हाउस में अपने साथियों के साथ एक 16 साल की लड़की के साथ गैंगरेप किया था। इस मामले में बाबा के चेले को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और अब सिंगरौली थाना पुलिस ने बाबा को भी धर दबोचा है। जानकारी के अनुसार, आरोपी बाबा को सिंगरौली थाना में रखा गया है। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण पुलिस कुछ भी बोलने से बच रही है। सिंगरौली थाना पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी को रीवा पुलिस को सौंप दिया गया है। जीडीसी कॉलेज रीवा में अध्ययनरत छात्रा का कुछ काम कॉलेज प्रबंधन से था। उसे कराने की गारंटी देकर कुछ लोगों ने महाराज के पास भेजा था। उसी दौरान उसको कोल्ड ड्रिंक्स में शराब पिलाकर उसके साथ दरिंदगी की घटना को अंजाम दिया। दूसरे स्थान पर छात्रा को भेजने के दौरान किसी तरह से उनके चंगुल से छूट गई। इसके बाद छात्रा पुलिस स्टेशन पहुंच गई। वह नशे में इतनी मदहोश थी कि उस दिन उसका बयान नहीं हो पाया। दूसरे दिन यानी 29 मार्च को छात्रा का बयान लिया गया है। 29 मार्च को आरोपी सीताराम दास, विनोद पांडे, धीरेंद्र मिश्रा और मोनू मिश्रा के खिलाफ 323 328, 376 (डी), 504 और 506 का मामला दर्ज किया गया। आरोपी विनोद पांडे को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

मीरा रोड में नाबालिगों को देह व्यापार में धकेलने वाली महिला गिरफ्तार

एक वेश्यावृत्ति रैकेट के बारे में एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जिसमें दलाल नाबालिग लड़कियों को अनैतिक गतिविधियों में मजबूर कर रहे थे, सहायक पुलिस निरीक्षक उमेश पाटिल के नेतृत्व में एक टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संपतराव पाटिल की देखरेख में एक नकली ग्राहक की मदद से संपर्क स्थापित किया। महिला और सौदे को अंतिम रूप दिया। इसके बाद बुधवार शाम मीरा रोड रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाया गया। जबकि महिला को रुपये लेते रंगेहाथ पकड़ा गया। 15,000 रुपये की ठगी से पुलिस टीम ने 16 साल की बच्ची को छुड़ाया और सकुशल पुनर्वास गृह भेज दिया. नया नगर पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कामोठे में देशी पिस्टल के साथ नाबालिग समेत तीन आरेस्ट

पुलिस को औद्योगिक क्षेत्र के पास से गुजरते हुए एक ऑटोरिक्शा मिला तो पुलिस ने रिक्शा को रोक लिया और भागने का कारण पूछा, लेकिन उन्होंने कोई ठोस जवाब नहीं दिया। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो उनके पास से एक देशी पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस मिले। उनकी पहचान 26 वर्षीय सराफुद्दीन अयूब शेख, 27 वर्षीय ऋषिकेश गायकवाड़ और तीसरे 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। उन पर आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 3, आईपीसी की 34 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 और 37 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

एम्पावर सोशल एंड एजुकेशन ट्रस्ट, संस्थापक डॉ. घनश्याम कोलाम्बे द्वारा आयोजित बिजनेस आइकन अवाड्र्स

एम्पावर सोशल एंड एजुकेशन ट्रस्ट ने अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए के साथ एम्पावर ट्रेनर्स प्राइवेट के सहयोग से मानद डॉक्टरेट डिग्री और बिजनेस आइकन अवाड्र्स 2022 प्रस्तुत किए। एलटीडी कल रात और यह एक पावर पैक्ड था। पीछे खड़े होकर विभिन्न घटनाओं को देखना उस दिन को बनाने के लिए पर्याप्त था और पुरस्कार कार्यक्रम को इतिहास रचने के लिए एक दिन बना दिया। इस सफल आयोजन के ताज में आयोजक डॉ. घनश्याम कोलाम्बे, नितिन तायडे, सोमशेखर के, राज काले और सोनाली मेमाने शामिल थे। कहने की जरूरत नहीं है कि यह एक स्टार-भरा मेगा हिट इवेंट था। यह कार्यक्रम सोच-समझकर तैयार किया गया है ताकि उन लोगों को पहचाना और सम्मानित किया जा सके जिन्होंने व्यवसायों और अन्य एजेंसियों को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किया है। इसके अलावा, इस घटना ने सोशल मीडिया

प्रभावितों और व्यापार की दुनिया के बीच एक कड़ी का निर्माण किया। शो के रोमांचक क्षणों में आते हैं, जिन्हें बेशकीमती क्षणों के रूप में भी जाना जाता है, जहां हर्षाली मल्होत्रा, कीकू शारदा, शांतनु माहेश्वरी, संजय गगनानी, विशाल कोटियन, समीक्षा सूद, निकिता रावल, चाहत खन्ना, मेल्विन लुइस, करणवीर शर्मा जैसे बॉलीवुड अभिनेताओं ने पुरस्कार जीते। शीर्षक। हिमानी भाटिया, निखिल भांबरी, निकिता रावल, अर्शी खान और कई अन्य हम भी इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में शामिल हैं। बॉलीवुड पीआर एजेंसी शिमर एंटरटेनमेंट ने सभी शीर्ष प्रभावितों को शामिल करते हुए एक अद्भुत काम किया। ताज के अध्यक्ष कफ परेड में अंतरराष्ट्रीय मेजबान साहिल जहीर द्वारा आयोजित कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी जिसमें सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। इसे उस घटना के रूप में भी सराहा गया, जिसने अभिनेताओं, प्रभावितों और व्यावसायिक क्षेत्र के बीच की खाई को पाट दिया। समारोह के मालिक और संस्थापक डॉ. घनश्याम कोलाम्बे ने गर्व से टिप्पणी की, हमारा एकमात्र उद्देश्य और आदर्श वाक्य सामान्य को असाधारण में बदलना है और मूल मूल्यों में जुनून, सम्मान, टीम वर्क, अखंडता और समय की पाबंदी शामिल हैं, सभी हमें इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करते हैं। हमारे संस्थापक हार्डकोर को बढ़ावा देने के एजेंडे के साथ इस पहल की शुरूआत की प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

राजस्थान की कांग्रेस सरकार आरटीआई नियमों की सरेआम उड़ा रही हैं धज्जियां

नगर परिषदों में सभापति का आरटीआई अपिलीय अधिकारी होना नियम विरुद्ध

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। एक तरफ कहीं पर भी किसी भी सरकारी डिपार्टमेंट में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार होने पर आरटीआई के माध्यम से उसपे अंकुश लगाकर काफी हद तक पार पाया जा सकता हैं, मगर राजस्थान की कांग्रेस सरकार सभी जगह नगर परिषदों में सभापति को आरटीआई अपिलीय अधिकारी मनोनीत कर रखा जो आरटीआई नियमों के विरुद्ध एवं कानून का खुला उल्लंघन हैं! सन 2005 में आम जनता को लाभ पहुँचाने, पारदर्शिता लाने तथा भ्रष्टाचार मिटाने की नियत से बना कर लागू किया गया था, परन्तु राजस्थान राज्य सरकार इस अधिनियम के विरुद्ध कार्य कर रही हैं। हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख और आरटीआई एक्टिविस्ट दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर राजा भईया ने इस बात का खुलासा करते हुए केंद्रीय सूचना आयोग और राजस्थान राज्य सूचना आयोग के मुख्य आयुक्तों को इस बारे में लिखित शिकायतें दर्ज कराई हैं! राजा भईया ने प्रेस नोट और शिकायतों की प्रति जारी करते हुए राजस्थान संपादक भैरु

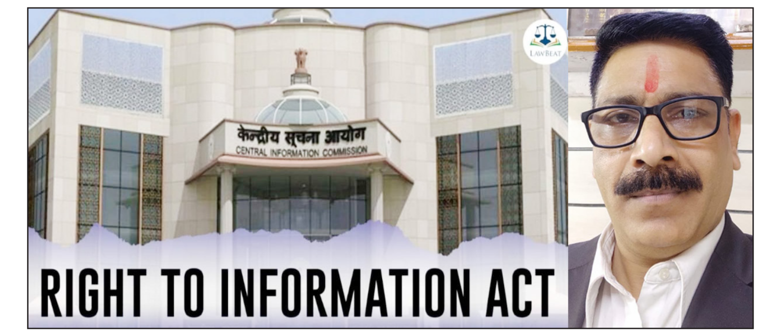

सिंह राठौड़ को बताया कि सूचना का कानून अधिकार अधिनियम 2005 के अनुसार किसी भी सरकारी विभाग का लोकसूचना अधिकारी एक संबंधित सरकारी अधिकारी होता हैं, और इस अधिनियम कि धारा 19 के अधीन कोई भी व्यथित व्यक्ति लोकसूचना अधिकारी के द्वारा दी गई सूचनाओं के या समय पर सूचना ना देने पर या गलत सूचना देने पर अपनी प्रथम अपील उससे एक पंक्ति वरिष्ठ सरकारी अधिकारी को इस अधिनियम के अनुसार दर्ज करा सकता हैं, जो उसी विभाग का या सरकार द्वारा नियुक्त संबंधित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी होगा जिसे इस नियम के तहत प्रथम अपिलीय अधिकारी सरकार या संबंधित विभाग नियुक्त करेगा राजस्थान राज्य में किसी भी जिले के नगर परिषद में आरटीआई आवेदन लगाने पर लोक सूचना अधिकारी के पद पर आयुक्त नगर परिषद की नियुक्ति की गईं हैं परन्तु प्रथम अपिलीय अधिकारी के पद पर राज्य सरकार ने उसी जिले के नगर परिषद के सभापति को नियुक्त किया हुआ हैं जो कि एक जनप्रतिनिधि होता हैं और उसका कोई सरकारी कंट्रोल नगर परिषद के आयुक्त पर नहीं होता हैं और ना ही उन्हें इस एक्ट की कानूनी जानकारी होती हैं! ऐसे यदि मांगी गई सूचनाएं संबंधित नगर परिषद के सभापति उनके परिजनों या परिचितो के मामलों मे होती हैं तो उनका कोई जबाब जनता को नहीं दिया जाता और क्योंकि प्रथम अपील पर सुनबाई कर आदेश देने का अधिकार भी उन्ही के पास होता हैं! इसलिए निष्पक्ष आदेश की भी उम्मीद नहीं की जा सकती हैं! जबकि अन्य किसी भी राज्य में ऐसा प्रवधान नहीं हैं! हर राज्य में प्रथम अपिलीय अधिकारी संबंधित वरिष्ठ सक्षम सरकारी अधिकारी नियुक्त हैं! एडवोकेट तोमर ने बताया कि वह स्वंय इस बाबत भुगत भोगी हैं! इसलिए उन्होंनें न्यायहित और जनहित में यह शिकायतें दर्ज कराई हैं! और पूरे राजस्थान प्रदेश में हर जिले की नगर परिषद में प्रथम अपिलीय अधिकारी के पद से सभापति के स्थान पर आरटीआई अधिनियम अनुसार संबंधित एड़ीएम या उनके समकक्ष संबंधित सरकारी अधिकारी को नियुक्त करने की मांग की हैं ताकि आम जनता को इस अधिनियम का समयनुसार निष्पक्ष लाभ मिल सके।

होपमिरर फाउंडेशन ने शुरू किया आदिवासी समाज के लिए 'प्रोजेक्ट शिक्षा'

मुंबई। होपमिरर फाउंडेशन रमजान शेख द्वारा स्थापित एक संस्था है, होपमिरर फाउंडेशन समय-समय पर समाज के कमजोर वर्गों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। टीम होपमीयर ने आदिवासी समुदाय के विकास और सुधार के लिए एक आदिवासी विकास परियोजना शुरू करने के लिए एक सामाजिक प्रयास शुरू किया। टीम होपमिरर ने खारघर के पास दो आदिवासी गांवों का किया सर्वे: घोलवाड़ी 2.आंबेवाडी एक मौखिक सर्वेक्षण किया गया जिसमें हमने व्यवसाय प्रथाओं, बच्चों की शैक्षिक स्थिति, आय के स्रोत और बुनियादी ढांचे को देखा। होपमिरर फाउंडेशन अब होपमिरर आदिवासी गांव को एक आधुनिक गांव में बदलने के लिए एक विकास पर काम कर रहा है, टीम होपमिरर आदिवासी गांव की देखभाल करती है। इसके लिए नए साल के शुरवात से जनवरी में 'प्रोजेक्ट शिक्षा' - बाल विकास कौशल योजना शुरू की गई है। आदिवासी गांव को एक शिक्षित गांव में बदलने के लिए हम काम कर रहे हैं। इस परियोजना के लिए अंजुमन-इस्लाम- टेक्निकल-कॅम्पस, न्यू पनवेल कॉलेज के स्वयंसेवक उन्हें आवश्यक विषय पढ़ाते हैं और शिक्षा से संबंधित दैनिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। हम इसे जारी रखना चाहते हैं क्योंकि हमें काफी अच्छा प्रतिक्रिया मिल रहा है। होप मिरर फाउंडेशन के अध्यक्ष रमजान शेख ने कहा कि फाउंडेशन ने पूरे समुदाय को शिक्षित करने की दिशा में एक कदम सफलतापूर्वक उठाया है।

केजरीवाल के आवास पर हमले के विरोध में बुलढाणा में विरोध प्रदर्शन, आम आदमी पार्टी का निवेदन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। आम आदमी पार्टी के मुख्य संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन पर दिल्ली में उनके आवास पर कायराना हमला के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने बुलडाना शहर की ओर से गुरुवार 31 मार्च 2022 को विरोध व्यक्त किया गया। इस संबंध में जिलाधिकारी बुलदाना के माध्यम से प्रधानमंत्री को जारी निवेदन में हमलावर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से बुलडाना में जारी एक बयान में कहा गया है कि पंजाब और गोवा में दिल्ली की सफलता के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हमला करने और सीसीटीवी व अन्य में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। फिल्म निर्माता शुद्ध कश्मीरी पंडितों के अत्याचारों पर फिल्में बनाकर करोड़ों रुपये कमा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी हिंदुत्व का वेश बनाकर शुद्ध राजनीति कर रही है। पिछले आठ साल से केंद्र में सत्ता में रही भारतीय जनता पार्टी कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के बजाय कश्मीरी फाइल फिल्म के प्रचार में लगी है। और खुद प्रधानमंत्री सभी जातियों और धर्मों के लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। सच बोलने की हिम्मत करने वाले व्यक्ति पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी मांग की गई है। बयान में दीपक मपारी, प्रशांत मोरे, शेख इरफान, विष्णु डांगे, शेख मजहर, सईद शाह, अमोल गवई और अन्य कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं।

भूमाफियाओं के जमीनों से कब्जा हटाये जाने को लेकर प्रक्रिया चालू

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। सरकार के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वाले में अतिक्रमण को साफ कराये जाने व कब्जा मुक्त आराजियों को लेकर आस पास क्षेत्र में भूमाफियाओं के जमीनों से कब्जा हटाये जाने को लेकर प्रक्रिया चालू कर दी गई हैं जहां एक ओर नुकसान पंहुच ने का अनुमान हैं वहीं दूसरी ओर कब्जा मुक्त होने पर सरकार को काफी मोटा लाभ पंहुचने की उम्मीद हैं सरकार द्वारा जो मिशन चलाया जायेगा वहीं नगर सहित आस पास के क्षेत्रीय लोगों ने इसकी सराहना की गई हैं कब्जे धारियों में कब्जा मुक्त कराये जाने को लेकर हड़कम्प की स्थिति बनी हुई हैं शासन एवं प्रशासन दोनों ऐलर्ट की स्थिति में है ऐसा प्रतीत होता हैं कि कहीं पर भी किसी भी दशा में लापरवाही नहीं बरतने दी जायेगी सख्ती के साथ कार्य को अन्जाम दिया जायेगा साथ ही सरकार के दिशा निर्देशों का पालन कराते हुए सरकार को शीघ्र अवगत भी कराया जायेगा फिल्हाल जैसे जैसे सरकारी जमीनों से कब्जा मुक्त कराये जाने के दिन करीब आते चले जा रहे हैं वैसे ही वैसे कब्जे धारियों में हड़कम्प मचा हुआ नजर आता दिखाई दे रहा हैं।

रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में बढ़ती हुई महंगाई को लेकर मचा हाहाकार

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। डीजल पेट्रोल घरेलू रसोई गैस सिलेन्डरों एवं रोजमर्रा के खाद्य पदार्थो में बढ़ी हुई मेहंगाई को लेकर मचा हुआ हैं हां हां कार, हर वर्ग के लोगों का झेलना पड़ रही हैं मंहगाई की मार, नहीं हो पा रहा हैं मंहगाई कम करने का रास्ता, साफ अधिकांश कमजोर वर्ग के लोग हैं परेशान। डीजल पेट्रोल एवं रसोई गैस सिलेन्डर की मंहगाई को देखते हुए सरकार के प्रति लोगों में रोष छाया हुआ हैं वहीं रोजमर्रा के खाने वाले पदार्थों में भी आग बरसती नजर आ रही हैं कमजोर वर्ग के लोगों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं पर मंहगाई को देखते हुए उनकी पकड़ से बाहर है सब्जी अनाज आदि आसमान छूता नजर आ रहा हैं जिस पर प्रतिबंध लग पाना कठिन कार्य साबित हो पा रहा है जनता में मंहगाई को देखते हुए चारों तरफ हां हां कार मचा हुआ हैं मंहगाई से निजात दिलाये जाने को लेकर व्यापार मंडल के नगरध्यक्ष हाजी मुशर्रफ अली वह युवा नगरध्यक्ष मु० सलीम कसगर ने मंहगाई को कम किये जाने संबंधी एक पत्र प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री जी को पत्र प्रेषित कर मांग की गई हैं।

गर्मी बढ़ने के साथ ही खून चूस रहे हैं मच्छर, बुलढाणा नगर पालिका प्रशासन कुंभकर्णी नींद में

बुलढाणा। अब गर्मी की दस्तक के साथ ही मच्छर भी खून चूसने लगे हैं। शहर के लगभग सभी इलाकों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे नागरिक त्रस्त हो गए हैं। इससे डेंगू-मलेरिया का खतरा भी बढ़ गया है। लेकिन नगर पालिका प्रशासन गहरी नींद में नजर आ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ ही इलाकों में मच्छरों का आतंक बढ़ गया है। बावजूद इसके मच्छरों का खात्मा करने के लिए न तो पागिंग मशीन व कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं कराया है नगर निगम के जिम्मेदारों को भी पता है कि गत वर्ष शहर में मच्छर डेंगू, मलेरिया कहर बरपा चुका है। नगर निगम का पूरा ध्यान इन दिनों स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के तहत सिर्फ सफाई कराने तक सीमित है। नालियों की सफाई भी नियमित रूप से नहीं किया जा रही है। और ना ही दवाओं का छिड़काव, ब्लीचिंग पाउडर किया जा रहा है। शहर के नागरिकों का कहना है कि शहर में नालियों की सफाई राम भरोसे है। ऐसे में मच्छरों का बढ़ना जाहिर सी बात है। नगर पालिका परिषद इसको लेकर तनिक भी गंभीर नहीं है। ऐसे में आम जनता इसका शिकार हो रही है। नगर पालिका का संबंधित विभाग को कोई मतलब ही नहीं है। मच्छरों की चपेट में केवल आम जनता ही आती है। बड़े लोग तरह-तरह की दवाओं का इस्तेमाल कर इससे बच लेते हैं। ऐसे में आम जनता इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आती है। इसके बाद भी जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं।

मीट माफिया हिस्ट्रीशीटर शमीम कुरैशी को नरौली पुलिस ने तमंचे सहित किया गिरफ्तार

संभल। नगर पंचायत नरौली में पुरानी पुलिस चौकी इंचार्ज दिनेश तिवारी मय फोर्स के नरौली मऊ रोड पर गश्त कर रहे थे तभी मुखबिर द्वारा चौकी प्रभारी को सूचना दी गई कि हिस्ट्रीशीटर शमीम कुरैशी पुत्र कल्लन कसाई मोहल्ला काजी टोला कुरेशियान अवैध तमंचा लेकर किसी बड़ी बारदत को अंजाम देने के उद्देश्य से घूम रहा है मुखबिर द्वारा दी गई सूचना के आधार पर चौकी इंचार्ज दिनेश तिवारी ने एक व्यक्ति को रुकने को कहा तो वह भागने लगा पुलिस द्वारा घेरा बन्दी कर पकड़ लिया पकड़ने के बाद पुलिस पूछताछ में हिस्ट्रीशीटर ने अपना नाम शमीम कुरैशी पुत्र स्वर्गीय कल्लन कसाई निवासी मोहल्ला काजी टोला कुरेशियान बताया पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर एक 315बोर का तमंचा व एक कारतूस बरामद हुआ है पकड़ा गया हिस्ट्रीशीटर नरौली का मशहूर पशु चोर और मीट माफिया भी है सपा सरकार में हिस्ट्रीशीटर शमीम कुरैशी का पूरा जलवा रहा है क्षेत्र के ग्रामों में पशु चोरी के लिए पूरी गेंग छोड़ रखी थी सपा सरकार में हिस्ट्रीशीटर डंके की चोट पर पशु चोरी किया करता था पुलिस निष्पक्षता से जांच करे तो शमीम कुरैशी की बड़ी गैंग का खुलासा हो सकता है जोकि पुलिस की पकड़ से अभी बहुत दूर हैं।

मुंबई में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक संपन्न, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। मुंबई साकीनाका पेनुलसुला होटेल में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक संपन्न हुई! बैठक में तय किया गया कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के बैनर तले सभी पत्रकार भाइयों को एकत्रित किया जाए। आपको बता दें कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट.एकमात्र ऐसी संस्था हैं। जो पत्रकारों की मदद के लिए बनी हैं। इसमें कोई राजनीति नहीं हैं, सिर्फ सेवानीति हैं। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस संस्था को श्रीमान प्रसन्ना कुमार व सन्दीप जाधव के अनुमोदन पर बनाया गया हैं और इनके ही मार्गदर्शन में काम कर रही हैं। मुख्य रूप से इस संस्था का काम हैं पत्रकारों पर होने वाले अन्याय और उत्पीड़न को रोकने लिए काम करना, समाज में विघटित पत्रकार बंधुओं को एक छत के नीचे लाकर उनके लिए काम करना। पत्रकारों की जीवन शैली में सुधार लाना और उनका सम्मान बढ़ाना। सरकार की तरफ से पत्रकारों की जरूरत को पूर्ण करवाना! यही संस्था का मुख्य उद्देश हैं! उन्होंने बताया कि देश के सभी प्रकार के पत्रकारिता विभाग से जुड़े हुए पत्रकार सब प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़े और पत्रकारिता को एक दिशा देने में सहयोग करें! देश में कई से भी प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार पांडेय के मोबाईल नंबर 08097985829 पर तथा राजस्थान में जुड़ने के लिए मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ के मोबाईल नंबर 09799988158 पर संपर्क किया जा सकता हैं।

रामपुर में आप का विरोध-प्रदर्शन, कश्मीरी फाइल्स फिल्म को मुद्दा बनाकर केजरीवाल की हत्या कराना चाहती है बीजेपी: आम आदमी पार्टी

मुंबई हलचल/सुबहान अली

रामपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हमले के विरोध में आज आम आदमी पार्टी ने रामपुर में विरोध प्रदर्शन कर महामहीम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। जिला अधिकारी की ओर से नगर मजिस्ट्रेट ने नैनीताल हाईवे पर पहुंचकर ज्ञापन लिया। ज्ञापन में कहा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक मुल्क भारत में जिस तरह आज भाजपा की शह पर गुंडे लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं उससे पूरी दुनिया में भारत का मजाक उड़ रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की लोकप्रियता से घबराकर कल जिस तरह एक नफरत फैलाने वाली फिल्म कश्मीरी फाइल्स का समर्थन करते हुए भारत की राजधानी दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री के आवास पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्य और उनके गुंडों ने पुलिस के संरक्षण में जानलेवा हमला किया उससे न सिर्फ दिल्ली पुलिस सवालों के घेरे में है बल्कि केजरीवाल जी से मोदी

सरकार की अदावत भी साफ नजर आती है। कश्मीर और कश्मीरी पंडितों को राजनीतिक मुद्दा बनाकर भाजपाई न सिर्फ देश में दंगा कराना चाहते हैं बल्कि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हत्या की खतरनाक साजिशें रच रहे हैं। आम आदमी पार्टी माँग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास पर हमला करने वाले भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्य सहित उनके समर्थक गुंडों पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए अन्यथा आम आदमी पार्टी बड़े आंदोलन को मजबूर होगी। ज्ञापन पर प्रदेश उपाध्यक्ष फैसल खान लाला, जिला अध्यक्ष अंसार अहमद, मंडल अध्यक्ष समीना बी, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव आसिफ मियां, छात्र जिलाध्यक्ष रय्यान खान, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष महेश सैनी, अभिषेक, ऋषि पाल, सोशल मीडिया प्रभारी नासिर हुसैन, सोशल मीडिया प्रदेश सचिव शीराज खान, महबूब जहां, शबाना बी, मौहम्मद जरीफ, आलम गीर, अहफज खान, शारूख खान, रजिया बी, फात्मा आदि लोगों के हस्ताक्षर हैं।

कानपुर में मेयर ने शुरू कराई पेड़ के काटने वालों के खिलाफ जांच

स्वीट स्पैरो कम बैक होम के गौरव बाजपेई की शिकायत पर शुरू हुई जांच

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की महापौर, श्रीमती प्रमिला पांडेय ने रैना मार्केट के पास पेड़ काटने वालों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराने को कहा है। उनसे यह शिकायत स्वीट स्पैरो कम बैक होम के गौरव बाजपेई ने की है, जिसके बाद मेयर प्रमिला पांडेय इस मामले की जांच भी करवा रहीं है। वहीं अब तक मिली जानकारी के मुताबिक बिजली विभाग या फिर अन्य द्वारा पेड़ काटे जाने के बारे में कार्रवाही के मामले में वन विभाग की भी भूमिका संदिग्ध बताई गई है। इसी के साथ कानपुर में अक्सर पेड़ काटे जाने के खिलाफ उनकी रक्षा के लिए हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने

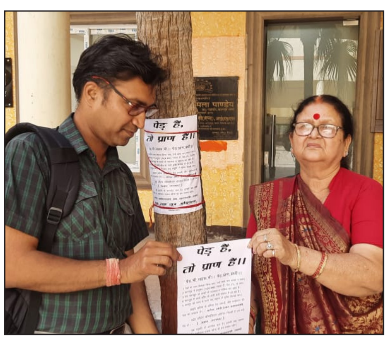

वाले समाजसेवा के क्षेत्र में भी चर्चित और गौरैया संरक्षण अभियान स्वीट स्पैरो कम बैक होम के भी तेजतर्रार और व्यवहार कुशल जुझारू तेवरों वाले अगुवाकार गौरव बाजपेई निर्णायक मुहीम की शुरूवात कर दी है। उन्होंने इसके लिए मुलाकात में मेयर का भी ध्यानाकर्षण किया, जिसपर महापौर ने गौरैय्या बचाओ अभियान के तहत चालाए जा रहे अभियान 'पेंड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान की सार्थकता को समझते हुए अपने ऑफिस के बाहर मौजूद पेंड़ पर इस सन्देश को रक्षासूत्र (कलावे) से बांध कर, पेंडो के महत्व का सन्देश भी दिया। मेयर ने रैना मार्किट नीम के पेंड़ के मामले में यह भी भरोसा दिया कि इस मामले में जांच कराकर जल्द ही दोषियों के खिलाफ एफ आई आर भी दर्ज कराई जाएगी।

कानपुर देहात वृद्धाश्रम के बुजुर्ग दो दिवसीय धार्मिक यात्रा पर चित्रकूट रवाना, जिला समाज कल्याण अधिकारी डी सी गुप्ता एवं संस्था संचालक सचिव राजेंद्र सिंह ने बस को दिखाई हरी झंडी

मुंबई हलचल/ सुनील बाजपेई

कानपुर। गुरुवार को रनियां में संचालित वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए दो दिवसीय धार्मिक यात्रा भ्रमण कार्यक्रम के तहत उनकी बस को चित्रकूट धाम के लिए हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। देहात के रनियां में बुजुर्गों के लिए दो दिवसीय धार्मिक यात्रा भ्रमण कार्यक्रम के इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी डी सी गुप्ता एवं संस्था संचालक सचिव राजेंद्र सिंह के साथ ही अनेक गणमान्य लोग भी मौजूद

रहे। अवगत कराते चलें कि इसके पहले भी देहात के रनियां में शिवा ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के चेयरमैन और वृद्धाश्रम के संचालक समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी राजेंद्र सिंह पप्पू की अगुवाई में उनके भैरमपुर निवासी पूर्व सैनिक पिता स्वर्गीय सूरज सिंह कछवाह की पुण्यतिथि पर भी यहां के बुजुर्गों के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें कपड़े, मिष्ठान्न और रुपयों का भी वितरण किया गया था। समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से शिवा ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा देहात के रनियां में वृद्ध माता पिता आश्रय सदन नाम से संचालित इस बहुत संतोष जनक उत्कष्ट सेवाओं वाले वृद्धाश्रम में आजकल लगभग 90 बुजुर्ग सभी सुख सुविधाओं से पूर्ण अपना खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

तीसरा एक दिवसीय वार्षिक शैक्षणिक प्रोग्राम संपन्न

मुंबई हलचल/मोहम्मद सालिम आजाद

मधुबनी। मदरसा-उल-अमीन-ए-सलफिया रघेपुरा मंगलवार, 28 मार्च 2022 को इफ्तिखार इस्लामी साहब नाजिम स्थानीय जमीअत अहले हदीस के नेतृत्व में तीसरा एक दिवसीय भाषण पुरस्कार और प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया था और सदारत मौलाना वसी अहमद इस्लाही साहब (मदरसा दार-उल-सलाम माधोपट्टी के पूर्व अध्यक्ष) ने अच्छा प्रदर्शन किया - कार्यक्रम को बड़े भाई अब्दुल गनी अब्दुल कादिर साहब ने बहुत ही सुंदर तरीके से निर्देशित किया और इसे एक सफल निष्कर्ष पर लाया। शैख अकील साजिद अल- तैमी संस्मरण (इमाम इब्न तैमियाह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर) ने अपने वाक्पटु और तर्कपूर्ण भाषण से सभी श्रोताओं को लाभान्वित किया। उन्होंने अपने मूल्यवान शब्दों से सभी श्रोताओं को लाभान्वित किया। आपको बता दूं - इस कार्यक्रम के

लिए दो आदेश थेः (1) बड़े भाई हाफिज गुलजार तैमी (2) भाई ओबादा नासिर सिद्दीकी जिन्होंने लड़के और लड़कियों के लिए इस प्रतियोगिता कार्यक्रम के सभी विवरणों को देखने के बाद प्रथम द्वितीय और तृतीय घोषित किया, स्वागत भाषण : अब्दुल खबीर दिलकश, इस जलसा के रूह (मदरसा अल-अमीन सलफिया के मॉडरेटर और संस्थापक) ने इसे स्थिर तरीके से प्रस्तुत किया। अंत में सभा के अध्यक्ष ने अपने प्रभावशाली शब्दों को प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के समापन की घोषणा भी की। समाजी कार्यकर्ता अब्दुल बाकी अब्दुल्लाह अल्हम्दुलिल्लाह कार्यक्रम सफल रहा।

Wedding Day के लिए ये ओवरनाइट ट्रिक आएंगे आपके काम

शादी के लिए दुल्हन को बहुत ही खास तरीके से तैयार किया जाता है। यह उसकी जिंदगी के सबसे खुशनुमा पलों में से एक होते हैं, जिसकी यादें वह उम्र भर संभाल कर रखना चाहती है। इसके लिए तीन खास बातों की तरफ खास ध्यान दिया जाता है। एक निखरी त्वचा दूसरा कुदरती ग्लो तीसरा चमकदार बाल। इन सबको परफैक्ट बनाने के लिए लड़कियां महीनों पहले ही पार्लर जाकर ट्रीटमेंट लेने शुरू कर देती हैं। आप हम आपको ब्यूटी के कुछ नाइट टिप्स बता रहे हैं, जिससे शादी से पहले और बाद में भी आपकी स्किन को बहुत फायदे मिलेंगे।

1. आंखों की सूजन हटाएं
नींद पूरी न होने या फिर ज्यादा देर तक सोने से आंखों के आशपास सूजन आनी शुरू हो जाती है। इससे कई बार आंखों के आस-पास काले घेरे भी पड़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए आप रात को सोने से पहले सिर के नीचे तकिया रख कर सोएं। इस बात का ध्यान रखें की तकीया ज्यादा ऊंचा नहीं होना चाहिए। इससे आखों के आसपास जमा होने वाला तरल आसानी से सूखना शुरू हो जाएगा। जिससे आंखों के पास की त्वचा में सूजन नहीं होगी।

2. कुदरती निखार
त्वचा पर कुदरती निखार हो तो चेहरे पर खुशी साफ झलकती दिखाई देती है। इशके लिए विटामिन सी बैस्ट है। रात को सोने से पहले नाइट क्रीम में विटामिन सी का आधा कैप्सूल मिक्स करके फेस पर लगाएं। इससे सुबह उठते ही स्किन पर फर्क दिखना शुरू हो जाएगा। इसे हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करें।

3. नर्म-मुलायम पैर
पैरों में दरारे पड़ने की वजह से खराब लगने लगते है। दूल्हन के पैर नर्म और मुलायम हो तो रात को सोने से पहले पैरों पर वैस्लीन लगा कर कॉटन की जुराबे पहन लें।

4. सफेद दांत
दांत पीले हैं तो इसे सफेद बनाने के लिए चुटकी भर बेकिंग सोडे से दांतों पर मंजन करें। इसके बाद पानी से कुल्ला कर लें। दांतों की झनझनाहट और पीला पन दूर हो जाएगा।

5. बाल बनाएं बाउंसी
रात को सोने के बाद सुबह कर्ली बालों की सैटिंग खराब हो जाती है। इसके लिए साटिन का पिलो कवर इस्तेमाल करें और किसी सॉफ्ट रबड बैंड से बाल बांध लें।

6. डार्क सर्कल हटाएं
डार्क सर्कल हो तो इससे चेहरे का ग्लो खत्म हो जाता है। इसे दूर करने के लिए रात को सोने से पहले टी ट्री ऑयल और बादाम का तेल मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। यह डार्क सर्कल हटाने के साथ-साथ चेहरे को भी हाइड्रेट करता है।

उंगलियों का कालापन कर रहा है शर्मिंदा तो अपनाएं ये टिप्स

लड़कियां हाथों की उंगलियों को खूबसूरत दिखाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है लेकिन कई बार उनकी उंगलियों के ज्वाइंट्स का कालापन उन्हें शर्मिंदा कर देता है। फिर चाहे वो कितनी भी बढ़िया नेलपेंट्स और ज्वैलरी का इस्तेमाल न कर लें। अगर आपको भी उंगलियों का कालापन शर्मिंदा कर रहा है तो हमारे बताएं घरेलू नुस्खों को इस्तेमाल करके इन्हें गोरा और साफ बनाएं।
बादाम के तेल में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो कालेपन के दूर करने में मदद करते हैं। इस उपचार को करने के लिए गुलाब जल में बादाम के तेल में मिला लें और फिर इसे उंगलियों के ज्वाइंट्स अप्लाई करें। इसके सूखने के बाद हाथों को हल्के गर्म पानी से धोएं। इस प्रक्रिया को सप्ताह में दो बार दोहराएं। उंगलियों के कालेपन को दूर करके चमक लाने में नींबू और शहद काफी कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस में शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और उंगलियों पर लगाएं और कुछ मिनटों बाद हाथों को पानी से धो लें। उंगलियों में चमक लाने के लिए शुगर स्क्रब भी बढ़िया है। यह हर तरह की स्किन पर सूट करता है। शुगर और शहद को मिक्स करके उंगलियों पर लगाएं और इसके हल्के सूखने पर इससे स्क्रब करें और बाद में धोएं।

वर्किंग वुमन्स इन आसान से टिप्स को अपनाकर चमकाएं घर

आजकल ज्यादातर महिलाएं कामकाजी है। उनके पास इतना समय नहीं होता की वह घर की साफ सफाई के लिए ज्यादा समय लगाएं। वह जल्दी-जल्दी में सफाई करती है जिससे दाग अच्छे से साफ नहीं हो पाते। कई बार उन दागों की वजह से दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। अगर आप वर्किंग वुमन्स हैं और आपके पास घर की सफाई करने का समय नहीं तो आज हम आपके लिए कुछ बढ़ियां टिप्स लेकर आए है जो आपके घर को चमका देगा। तो आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

1. किचन कैबिनेट्स
किचन कैबिनेट्स में अक्सर तेल के दाग पड़ जाते हैं। उन तेल के दोगों को मिटाने में बहुत समय लगता है। अगर आप आसानी से तेल के दोगों को कैबिनेट्स से मिटाना चाहते हैं तो एक टिशू पेपर पर ऑलिव ऑयल की डालें कर साफ करें। ऑलिव ऑयल से जिद्दी से जिद्दी निशान भी मिट जाते हैं।

2. फ्रिज
फ्रिज से स्मैल आना आम है। स्मैल आने दूर करने के लिए आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें। आलू के छिलको को उबाल कर उस पानी से फ्रिज के दरवाजे को अच्छे से साफ कर लें।

3. डायनिंग टेबल
डायनिंग टेबल को नीलगिरी के तेल से साफ किया जा सकता है इस तेल से टेबल साफ करने पर गंदगी दूर होने के साथ ही उसकी चमक भी बनी रहती है।

4. गैस
गैस को साफ करने के लिए संतरे का छिलके का उपयोग करें। संतरे को गैस पर रगड़े। इस तरह गैस की सफाई करने पर उसे अचछी खुशबू भी आने लगेगी।

5. नल
घर में लगे नल को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का यूज करें। एक कपड़े पर टूथपेस्ट लगाकर उससे नल को साफ करें फिर उसके गर्म पानी से धो लें। इस तरह सफाई करने से नल चमकने लगेगा।

6. शीशा
शीशे को हैंड वॉश से साफ करें। 1 गिलास पानी में 1 बूंद हैंड वॉश डाल कर एक घोल बनाएं। इसके घोल से शीशे को साफ करें।

7. कमोड
कमोड के दागों को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से कमोड जल्दी साफ हो जाएगा।

झगड़ते समय पार्टनर को कहेंगे ये बातें तो कभी नहीं होगी सुलाह

पति-पत्नी या गर्लफ्रेंड- ब्वॉयफ्रेंड में लड़ाई होना आम है। जहां प्यार होता है वहां ही लड़ाई होती है। मगर लड़ाई-झगड़ा करते इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस दौरान आप कोई ऐसी बात न बोल दें जो आपके पार्टनर के मन में घर कर जाए। लड़ाई-झगड़े तो खत्म हो जाता हैं लेकिन उस बात की चोट पार्टनर के दिलो-दिमाग पर हमेशा के लिए रह जाती है। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही कुछ बातें, जो बहस के दौरान कहने से बचना चाहिए।

1. रिश्ता खत्म करने की बात
लड़ाई करते समय कभी भूलकर भी पार्टनर से रिश्ता खत्म करने की बात न करें। अगर आप दोनों में किसी बात को लेकर लड़ाई हो जाती है तो अपने पार्टनर को समझने की कोशिश करें।

2. अपने रिश्ते को कभी ना कोसें
कई बार लड़ाई करते समय आप गुस्से में पार्टनर से बोल देते हैं कि तुमसे शादी करके मैंने जिंदगी की सबसे बड़ी गलती की। इस तरह के शब्द लड़ाई को खत्म करने की बजाए। उसको और बढ़ा देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप जितने मर्जी

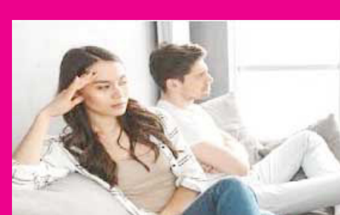

नराज क्यों न हो अपने रिश्ते को कभी ना कोसें।

3. क्या तुम पागल हो ?
बहस के दौरान अपने पार्टनर को पागल न कहें। अगर वो आपकी बात नहीं सझ पा रहा तो उसको प्यार से अपनी बात को समझाएं।

4. घरवालों से तुलना ना करें
कभी भी अपने पार्टनर की तुलना घर वालों से न करें। इस तरह की बातें करने से रिश्ते कमजोर होते हैं। पार्टनर को ऐसी बातें बोलने से पहले अपने मन में ये बात सोचें कि अगर आपका पार्टनर आपके परिवार के किसी सदस्य के बारे में ऐसा कहेगा तो आपको कैसा लगेगा।

5. तुम मोटे हो
कई बार लड़ाई-झगड़ा करते समय लड़की लड़के से बोल देते हैं कि तुम मोटे हो फिर भी मै तुम्हारे साथ रह रही हूं। इस बात का लड़के को बहुत बुरा लगता है। कई बार तो इससे रिश्ते टूट भी जाते हैं। अगर आप अपने रिश्ते को बचाना चाहते हैं तो ऐसी बातें ना बोलें।

6. बातों को इग्नोर करें
अपने रिश्ते के शुरूआती दिनों को याद करें। जब आप पार्टनर द्वारा बोली गई बातों को इग्नोर कर दिया करते थे। अब भी वैसा ही करें बातों को खींचने से अच्छा है कि आप खुद अपने पार्टनर को सॉरी बोलकर बात को वहीं खत्म करने की कोशिश करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रिमी सेन कर रही हैं वापसी

रिमी सेन एक समय में लोगों के दिलों पर राज करती थीं। ऐक्ट्रेस ने भले ही कम फिल्में कीं लेकिन उन्होंने जो भी फिल्में की हैं, उनमें उनके सिंपल रोल्स के लिए ही फैंस उन्हें पसंद करते हैं। ऐक्ट्रेस ने अपने इंटरव्यू में बताया, जैसा कि आप सभी जानते हैं मैं फिल्मों से दूर रही हूं और इसके पीछे एकमात्र कारण है- मैंने बहुत सी चीजों की कोशिश की, कई फिल्में कीं, लेकिन मैं उस जगह को कभी हासिल नहीं कर सकी, वह संतुष्टि जिसकी मुझे इतने समय से तलाश थी। उन्होंने कहा, मैं कभी भी पैसे के लिए काम नहीं करना चाहती थी, मैं हमेशा अपनी क्रिएटिविटी के लिए काम करना चाहती थी। यही मेरा एकमात्र लक्ष्य था। मैं तब पूरी तरह से डरी हुई थी और मैंने केवल बड़े बैनर, बड़े ऐक्टर्स के साथ काम करना शुरू किया, जहां मैंने कभी भुगतान नहीं किया। मैंने मेरे रोल पर ध्यान नहीं दिया और मैंने उस समय एक बड़ी गलती की। उन्होंने आगे कहा, लेकिन बाद में जब मुझे एहसास हुआ कि मैं इस तरह नहीं जा सकती। मुझे थोड़ी देर के लिए पीछे हटना होगा।

जॉन अब्राहम ने किया अजय देवगन और सलमान खान पर अटैक

जॉन अब्राहम अपनी आने वाली फिल्म अटैक: पार्ट 1 की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म के ट्रेलर ने पहले ही काफी धूम मचा रखी है और फैंस अब उन्हें सिल्वर स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में उनके प्रभास स्टारर तेलुगु फिल्म सालार का हिस्सा होने की अफवाहें थीं। इन दिनों साउथ फिल्मों का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है जिसे देखते हुए कई बॉलीवुड स्टार्स भी अपना रुख साउथ इंडस्ट्री की तरफ कर रहे है लेकिन जब जॉन से साउथ फिल्म सालार में उनके काम करने पर सवाल पूछा गया तो उनके जवाब ने सभी को हिलाकर रख दिया। जॉन अब्राहम ने प्रभास अभिनीत सालार का हिस्सा होने की अफवाहों पर बोलते हुए कहा कि, मैं कभी भी रीजनल फिल्म नहीं करूंगा। मैं एक हिंदी फिल्म का हीरो हूं। आगे उन्होंने कहा कि वह सिर्फ वहां रहने के लिए सेकेंड लीड के रूप में कोई फिल्म नहीं करेंगे। इसके साथ ही जॉन ने यह भी साफ कर दिया है कि वो फिल्म इंडस्ट्री में रहने के लिए बाकि एक्टर्स की तरह कोई रीजनल फिल्म नहीं करेंगे। जॉन ने जिन एक्टर्स की तरफ इशारा किया है, उनमें बॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकार अजय देवगन, आलिया भट्ट और सलमान खान जैसे स्टार्स के नाम शामिल हैं।

दीपिका पादुकोण ने बढ़ाया देश का मान

दीपिका पादुकोण बॉलिवुड की नंबर वन ऐक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई शानदार फिल्मों में काम किया है। मूवीज के साथ-साथ वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। वो मेंटल हेल्थ पर भी खुलकर बात करती हैं। टाइम ने पहली बार TIME100 इम्पैक्ट अवार्ड्स के सम्मानों को रिवील करते हुए बताया कि कौन-कौन इसमें शामिल हैं। दीपिका के फैंस के लिए ये गुड न्यूज है कि उनका नाम भी इस लिस्ट में है। वैज्ञानिकों और सीईओज की इस लिस्ट में आर्टिस्ट, एक्टिविस्ट, पॉप स्टार्स और पॉलिटिशियन के साथ वर्ल्ड फेमस एक्टर, प्रोड्यूसर फिलांथ्रोपिस्ट दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं, जिन्हें फिल्मों और मेंटल हेल्थ एडवोकेसी, दो वजहों से ये सम्मान मिला है। ऐक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर इसे शेयर करते हुए लिखा, सोमवार की सुबह के लिए बहुत अच्छी शुरूआत मुझे लगती है #आभार। पिछले कुछ सालों में दीपिका पादुकोण ने भारतीय सिनेमा में कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं, जिनमें से कुछ को आलोचकों की तारीफ मिली है और जो इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही है।